http://www.pssouonline.com

# J–3112

## B. A. (First Year)
## Term End Examination, June-July, 2018
### HINDI LITERATURE
### Paper First
### (प्राचीन हिन्दी काव्य)

*Time : Three Hours* ] [ *Maximum Marks : 70*

[ *Minimum Pass Marks : 18*

**परीक्षार्थी हेतु निर्देश :**

**खण्ड—अ** : प्रश्न क्रमांक **01** से **08** तक अति लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के लिये 01 अंक निर्धारित है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 1 या 2 शब्दों/1 वाक्य में दीजिये।

**खण्ड—ब** : प्रश्न क्रमांक **09** से **14** तक अर्द्ध लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के लिए $2\frac{1}{2}$ अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **75** शब्दों या आधा पेज में दीजिये।

**खण्ड—स** : प्रश्न क्रमांक **15** से **18** तक लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के लिए 05 अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **150** शब्दों या एक पेज में दीजिये।





22. रावरे रूप की रीति अनूप, नयों नयो लागत ज्यौं ज्यौं निहारियै।
त्यौं इन आँखिन बानि अनोखी, अप्रानि कहूँ नहिं आनि तिहारिये।
एक ही जीवहुतो सु तो वार्‌यो, सुजान सकोच औ सोंच सहारियै।
रोकि इहै न दहै घनानंद, बावरी रीझ के हाथनि हारियै।

**खण्ड—इ**

23. "नागमति विरह वर्णन हिन्दी साहित्य में अद्वितीय है।" इस कथन की पुष्टि कीजिए।
24. "प्रेम और विरह घनानंद की कविता का प्रमुख स्वर है।" सिद्ध कीजिए।



http://www.pssouonline.com

http://www.pssouonline.com



**खण्ड—द** : प्रश्न क्रमांक 19 से 22 तक अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं। किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 300 शब्दों या दो पेज में दीजिये।

**खण्ड—इ** : प्रश्न क्रमांक 23 एवं 24 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं। किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के लिए 17 अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 600—750 शब्दों या 04—05 पेज में दीजिये।

## खण्ड—अ

1. "दुलहिन गावहु मंगलाचार" किस कवि की पंक्ति है ?
2. "मसि कागद छुयो नहीं, कलम गहौ नहिं हाथ" पंक्ति किसके सन्दर्भ में कही गई है ?
3. जायसी के प्रसिद्ध महाकाव्य का नाम क्या है ?
4. 'पद्मावत' में वर्णित तोते का नाम क्या है ?
5. 'सूर सारावली' में पदों की संख्या कितनी है ?
6. 'रामचरितमानस' में कितने काण्ड हैं ?
7. घनानंद की प्रेमिका का नाम क्या है ?
8. रसखान के गुरु कौन थे ?

## खण्ड—ब

9. कबीर की भाषा पर टिप्पणी लिखिए।
10. बैसाख में नागमती अपने पति से क्या प्रार्थना करती है ?
11. "निर्गुण कौन देश को वासी" से सूरदास का तात्पर्य क्या है ?
12. तुलसी के काव्य का भावपक्ष उजागर कीजिए।
13. विद्यापति की भाषा पर प्रकाश डालिए।
14. रसखान के रचनासंसार पर प्रकाश डालिए।





## खण्ड—स

15. "अनहद नाद" से आप क्या समझते हैं ?
16. 'पद्मावत' की कथा की आध्यात्मिकता को संक्षेप में लिखिए।
17. "विद्यापति सौन्दर्योपासक कवि हैं।" सिद्ध कीजिए।
18. रहीम का जीवन परिचय प्रस्तुत कीजिए।

## खण्ड—द

19. अंखडियाँ झाँई पड़ी, पंथ निहारि-निहारि।
    जीभडियाँ छाला पड़्या, राम पुकारि-पुकारि॥
    इस तन का दीवा करौ, बाती मेल्हूँ जीव।
    लोही सीगै तेल ज्यूँ, कब मुख देखौं पीव॥

20. जेठ जरै जग चलै लुवारा। उठहि बवन्डर परहि अंगारा॥
    बिरह गाजि हनुवंत होई जागा। लंका दाह करै तनु लागा॥
    चारिहु पवन झकौरे आगी। लंका दाहि पलंगा लागी॥
    दहि भइ साम नदी कालिंदी। बिरह कि आगि कठिन अति मंदी॥

21. जब तैं रामु ब्याहि घर आए। नित नव मंगल मोद बधाए॥
    भुवन चारिदास भूधर भारी। सुकृत मेघ बरषहिं सुख बारी॥
    रिधि-सिधि संपत्ति नदी सुहाई। उमगि अवध अंबुधि कँहु आई॥
    मनिगन पुर नर नारि सुजाती। सुचि अमोल सुंदर सब भाँती॥



http://www.pssouonline.com